Lion Dr. Sharad Ruia
CHAIRMAN

Lion Kanahaiyalal G. Saraf
Hon. SECRETARY

Dr. N. N. Pandey
PRINCIPAL

Prof. Subhashini Naikar
VICE-PRINCIPAL (SFC)

Today India has the largest number of Confirmed Cases in ASIA, and third highest number of Confirmed Cases in the world after UNITED STATES and BRAZIL. The first case in India was reported on 30th January, 2020. India has crossed a mark of 1 million confirmed cases.

The recovery rate has increased to 63% which is extremely great. Areas are divided in the Green zone (No active Cases), Orange zone (Less active Cases) and Red zone (most active Cases). The green zone has got the permission to start their work with tons of rules and regulations by the government and so does the Orange zone too....but the Red Zone areas have to keep their area shutt.....

This disease has taken jobs of many employees due to which they had to move to their native places in search of food and money. Many social workers, actors and the government have done all that they could to help such people to migrate to their native places by feeding them everyday.

Now the Major question asked is When it is going to get over? So basically now everyone has to live with the disease by keeping in mind the safety of ourselves and by regularly sanitizing ourselves, by being at safest place and maintaining a distance from others (SOCIAL DISTANCING). This will not only help us to fight with the disease, but also to be on a safer side. I'm very happy to see that people are connected to each other by various social media apps. Our schools and colleges are working for every student by using friendly apps to help students in this current pandemic.

My Heartiest condolences for the people and the families who lost their lives in this Pandemic; also honoring the Warriors who defeated and came out of the disease so strongly and positively.

"Optimism is the faith that leads to achievement. Nothing can be done without hope and confidence"

- DHIRAJ CHOURASIA
(T.Y.B.I.M.)

कुछ पल बीत गये हैरानी से
हर एक इंसान परेशान है इस बीमारी से
पर जिंदगी ने एक बात सिखाई है

एक ऐसा भी मोड़ आया है जिंदगी में
जहां वक्त है बिताने के लिये
पर अपनो को मिलने की आजादी नहीं
आदतें बदल गयी हैं पर जजबात नहीं
मौत से डरते हैं ये लोग पर जिंदगी से हारते नहीं
कठिनाइयाँ बहुत हैं इस बीमारी में
पर हर मुश्किलों की राह ढूंढने से पीछे हटते नहीं

सांस लेने से भी डरते हैं ये लोग
हर दिन अपनी ख्वाईशों से हारते हैं ये लोग
साथ रह कर भी दूरियाँ सेहते रहते हैं ये लोग
हर दिन बेरोज़गारी से मरते हैं ये लोग।

- सायली माने
(TYBMM)

ज़िंदगी एक खेल बन गई है...
राह देखते -देखते और एक रात ढल गई है!

अपने सवालों को लिए सब यहाँ - वहाँ भटकते हैं...
आज वही सवालों के जवाब घर में सुलझते हैं!

रोज भागने वाली दुनिया आज थम गई है...
वहीं दुनिया आज चार कोने के घर में जुड़ गयी है!

लोग काल के गाल में रह रहे हैं...
कई सगे हमारे तो कई पराए खो रहे हैं !

कसूर था किसी और का भुगत रहा आज विश्व है...
अपनो को बिछड़ते देख मन में अब खेद है!

भूल जाओ सारे गम, ज़िंदगी अपनों में ही खूबसूरत है...
याद रखना ये बात, आज इंसान को ही इंसान की जरूरत है!

- Pooja Suresh Patil
(S.Y.B.A.M.M.C)

कल वही खाई थी पानी पूरी चौक वाली,
घूम रहे थे मरीन लाइन्स पर ,
किसे पता था यह होगी घूमने की आख़िरी बारी।
वहीं तो घूमते थे बगीचे में कुछ दिन पहले,
उसी बगीचे में खींची थी दर्जनों तस्वीरें।
कुछ दिन पहले ही की तो थी बस-ट्रेन की सवारी,
इंग्लिश की मिस ने ली थी कोरोना पर टेस्ट हमारी।
अखबार से ब्लैक बोर्ड पर, ब्लैकबॉर्ड से किताब
और किताब से देश में न जाने कैसे आ गई ये बीमारी,
सब ऐसे बदल गया जैसे
ऊपर से कोई लिख रहा था कहानी सारी।
न जाने कब खत्म होगी इसकी दहशत,
और यह महामारी....

- PRIYANKA SAWANT
(S.Y.B.A.M.M.C)

कभी सोचा ना था कि दुनिया में एक
ऐसा महामारी आएगी जो पूरी दुनिया
को अपने चपेट में ले लेगी जिससे कई
लोगो की जिंदगियाँ नष्ट हो जाएगी।
लोग कहते है कि एक जुट होकर किसी
भी लड़ाई का सामना किया जा सकता है
लेकिन आज ऐसी घड़ी आ गई है कि
हमे लोगों से दूरियाँ बना कर इस लड़ाई को
लड़ना पड़ रहा है।

कभी सोचा ना था कि जिस वातावरण में
खुली सांस लिया करते थे आज उसी वातावरण में लोग जाने से डरते है।
कभी सोचा ना था कि कल तक बच्चे जिस वातावरण में खेला करते थे,
आज घर की चार दीवारों में कैद होकर रह गए हैं ।
लोगों से दूर रहकर सार्वजनिक फ़ासला बनाकर
मुंह पर मास्क लगाकर खुद को
और देश को सेनेटाइज करके हमें इस
कोरोना जैसी महामारी से लड़ना होगा
हम सलाम करते हैं , उन योद्धाओं को
जो अपने जान की बाजी लगाकर हमें
सुरक्षित रखने कि पूरी कोशिश में है
पुलिस, डॉक्टर, नर्स जैसे इत्यादि।

-By Aanchal Vishwakarma
(TYBMM)

ऐसी उम्मीद नहीं थी.....

बदलेगी, जानता था कि जिंदगी बदलेगी,
मगर इस तरह बदलेगी! ऐसी उम्मीद नहीं थी,
रुकेगी! जानता था कि ये जिंदगी रुकेगी,
मगर इतनी जल्दी! ऐसी उम्मीद नहीं थी,
ना जाने क्यूँ लोगों के मन में एक अलग सा डर बैठ गया है,
आखिर ना चाहते हुए भी हर अपना गैर सा हो गया है,
किसी से मिलने को अब लोग डरने लगे है ,
ए खुदा आखिर क्यों ऐसा खेल तुने खेला है,
अब दिन भर में एक बार घर से बाहर जाने कि हमारी जिद नहीं थी,
इस कदर जिंदगी को जिना पड़ेगा एसी उम्मीद नहीं थी।

फिर से छिड़ गया है जंगो का मैदान,
और यहाँ लोगों से नहीं दिए जा रहे हैं अपने छोटे से मनोरंजन के बलिदान,
कोई प्यार को तरस रहा है तो कोई नफरत में जल रहा है,
आखिर क्यों इन्सान तू इतना खुदगर्ज हो गया है,
कई माता पिताऔर परीवार को है ये खयाल,
कि बस एक बार देखले सरहद पे खड़ा उनका लाल,
क्योंकि यहाँ तो लोग एक दूसरे से दुश्मनी करवाके भर रहे है लोगों के कान,
और वहाँ सरहद पर मेरे भाई एसे लोगों के लिए दे रहा हैं अपनी जान,
क्यों आखिर यहाँ कोई किसी की मीत नहीं थी,
इस जहाँ में कुछ ऐसा हो जाएगा इस बात कि हमे उम्मीद नहीं थी।

लड़ेंगी ये दुनिया इस महामारी से,
और फिर से सजेगी ये दुनिया एक नई खुशाली से,
जहां लोगों के बीच होगा प्यार,
फिर से मिलेंगे हम सारे यार,
दुनिया कि सारी खुशियों को एक जुट करके,
फिर से मानायेंगे हम अपना प्यारा सा त्योहार,
बस बताते रहना अपने दिल को ये खयाल,
वादा है मेरा आपसे अब ज्यादा दिन तक नहीं रहेगा ये कोरोना कल।

- Roshan Jha
(SYBSc(I.T.))

Few Things which we learnt in the past few months...
Life is too short ! Everything is temporary.
We can survive our life without malls, theatres, parks etc... Some habits are changed.
Putting Mask and maintaining social distancing are very important in our life!!
People can't say I am very busy.
Totally Corona changed our lifestyle.
Living in a world suffering from this pandemic is a lesson for all which would be narrated through generations, a lesson where humanity failed in maintaining a clean ecosystem around it and hence nature taught them that.

- Vijay Pandey
(TYBMM)

Editorial Committee

STAFF

Principal:	- Dr. N. N. Pandey
Vice-Principal:	- Prof. Subhashini Naikar
BSc. IT Co-ordinator:	- Prof. Rupali Mishra
BMS & BBI Co-ordinator:	- CA Durgesh Kenkre
BAF Co-ordinator:	- Prof. Sailee Shringarpure
B.A.(M.M.C) Co-ordinator:	- Prof. Bhavana Singh
BFM Co-ordinator:	- Prof. Rahul Pandya
M.Com Co-ordinator:	- Prof. Pankaj Jain
BIM Co-ordinator:	- Prof. Ashish Shukla
Core Faculty:	- Prof. Mohini Nadkarni

STUDENT

Abhinav Upadhyay - SYBSc.IT

Prahladrai Dalmia Lions College of Commerce & Economics
ISO 9001:2015 CERTIFIED
(Self-Financed Courses)